राहु काल : 7 दिनों में कब और किस समय होता है राहु काल, यह जानकारी आपको जरूर होनी चाहिए

भारतीय ज्योतिष में नौ ग्रह गिने जाते हैं, सूर्य, चंद्रमा, बुध, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु और केतु। जिसमें राहु, राक्षसी सांप का मुखिया है जो हिन्दू शास्त्रों के अनुसार सूर्य या चंद्रमा को निगलते हुए ग्रहण को उत्पन्न करता है। राहु तमस असुर है। राहु का कोई सिर नहीं है और जो आठ काले घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथ पर सवार हैं।

क्या है राहु काल : राहु को छाया ग्रह माना गया है। यह ग्रह अशुभ फल प्रदान करता है। इसलिए इसके आधिपत्य का जो समय रहता है, उस दौरान शुभ कार्य करना वर्जित माने गए हैं। सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक के समय में से आठवें भागका स्वामी राहु होता है। इसे ही राहु काल कहते हैं। यह प्रत्येक दिन 90 मिनट का एक निश्चित समय होता है, जो राहु काल कहलाता है। राहु काल दिनमान के आठवें भाग का नाम हैं। राहु काल का समय किसी स्थान के सूर्योदय व वार पर निर्भर करता हैं। सरलता के लिए सूर्योदय को यदि 6 बजे का माना जाए तो प्रत्येक वार के लिए राहु काल इस तरह होगा-

ज्योतिष में राहु काल को अशुभ माना जाता है। अत: इस काल में शुभ कार्य नहीं कि जाते है। यहां आपके लिए प्रस्तुत है सप्ताह के दिनों पर आधारित राहुकाल का समय, जिसके देखकर आप अपना दैनिक कार्य कर सकते हैं।

यहां आपके लिए प्रस्तुतत हैं वार के अनुसार राहु काल का समय

रविवार : सायं 4:30 से 6:00 बजे तक।

सोमवार : प्रात:काल 7:30 से 9:00 बजे तक।

मंगलवार : अपराह्न 3:00 से 4:30 बजे तक।

बुधवार : दोपहर 12:00 से 1:30 बजे तक।

गुरुवार : दोपहर 1:30 से 3:00 बजे तक।

शुक्रवार : प्रात:10:30 से दोपहर 12:00 तक।

शनिवार : प्रात: 9:00 से 10:30 बजे तक।